an>

Title: Need to give employment to farmers who lost their crops through MGNREGA.

श्री जगदम्बिका पाल **(डुमरियागंज):** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने मुझे एक अति महत्वपूर्ण एवम् तात्कालिक विषय पर बोलने की अनुमति प्रदान की। कृषि मंत्री जी ने स्वयं स्वीकार किया है कि देश के तमाम राज्यों में इस बार किसानों की रबी की फसल को काफी नुकसान हुआ है। एक तरफ फसल का नुकसान हुआ तो दूसरी तरफ उनके पास कोई विकल्प है रोजगार का, तो वह मनरेगा है। गांवों में अगर नष्ट हुई फसल की क्षतिपूर्ति या मुआवजा देने की बात कही गई है, तो किसानों को और मजदूरों को कोई रोजगार उपलब्ध होगा तो वह मनरेगा के माध्यम से हो सकता है। एक तरफ केन्द्र ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि जो फसल का नुकसान हुआ है, उसका प्लाट टू प्लाट सर्वे हो, लेकिन इसके बावजूद फसल की कटाई हो रही है और वह सर्वे पूरा नहीं हुआ है। अगर मुआवजा देने की बात हो भी रही है तो जहां एक बीघे में छः से सात क्विंटल फसल का उत्पादन हो रहा था, तो इस बार उसका उत्पादन घटकर दो या ढाई क्विंटल ही रह गया है। मेरा निवेदन है कि सिद्धार्थ नगर में मनरेगा का कार्य बंद है, किसानों को मिट्टी का कार्य नहीं दिया जा रहा है, आप सरकार को निर्देश दें कि जो डिमांड ड्रिवन स्कीम है, जिससे रोजगार सृजित होता है, तो उस मनरेगा के कार्य को शुरू किया जाए, जो कई सालों से हमारे जिले में बंद है।

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 21st April, 2015 at 11 a.m.

19.18 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, April 21, 2015/Vaisakha 1, 1937 (Saka).

---

* Expunged as ordered by the Chair.

*Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the Table.

*Speech was laid on the table.

* Speech was laid on the Table.

* Not recorded.